लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 April 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में अमेरिकी करेंगे उर्दू और फारसी की पढ़ाई

अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से संचालित होगा आठ सप्ताह का पाठ्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। अमेरिका वासियों के लिए उर्दू और फारसी सीखने का बड़ा सेंटर बनेगा अब लखनऊ विश्वविद्यालय। अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली और लखनऊ के सहयोग से लविवि में अगले महीने से विशेष पाठ्यक्रम शुरू होगा। इसमें संस्थान की ओर से नामित विद्यार्थी पढ़ाई कर सकेंगे। लखनऊ विवि को इस विशिष्ट पाठ्यक्रम को संचालित करने का मौका मिला है। संस्थान की ओर से तैयार छह सप्ताह के विशिष्ट मॉड्यूल से पढ़ाई अगले महीने से शुरू होगी।

विवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन के अनुसार, इन विभागों की ओर से पेश किया जाने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के लिए विवि का चयन होना गौरव की बात है। अभी तक अमेरिका से उर्दू और फारसी जैसी भाषाएं सीखने के लिए अरब देश जाने की परंपरा थी। राजनैतिक बदलाव के बाद अब वे भारत का रुख कर रहे हैं। लविवि में फारसी और उर्दू जैसे विभागों की समृद्ध परंपरा है। इन विभागों के माध्यम से अमेरिकी भी उर्दू और पर्शियन की पढ़ाई कर सकेंगे।

लविवि में अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि भाषा और संस्कृति साथ-साथ चलती हैं। इन पर कम अवधि के पाठ्यक्रम संचालन से ज्ञान का आदान-प्रदान होता है। अच्छी बात है कि इस तरह के लघु कार्यक्रमों की शुरुआत हो रही है। अमेरिकन इंस्टीट्यूट में नामांकित छात्र लविवि परिसर में फारसी और उर्दू विभागों के साथ ही भाषा, संस्कृति और संचार में छह सप्ताह का प्रशिक्षण लेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि हम वैज्ञानिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक ज्ञान और परंपरा को विश्व में फैलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। परिसर में इस समय दो सौ से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

विदेशी विद्यार्थियों के लिए है हिंदी का विशेष पाठ्यक्रम

लविवि में फारसी और उर्दू से पहले ही विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी में बातचीत करने के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम संचालित है। कम्युनिकेटिव हिंदी नाम के इस पाठ्यक्रम का संचालन भाषा विज्ञान विभाग में किया जाता है। इसमें विदेशी विद्यार्थी दाखिला लेकर हिंदी सीख रहे हैं।

जल्द शुरू होंगे भाषा पर आधारित शॉर्ट टर्म कोर्स

लविवि में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अरेबिक, संस्कृत, फ्रेंच सहित कई भाषाओं के विभाग हैं। इन भाषाओं के प्रसार तथा बढ़ावा देने के लिए इन पर आधारित शॉर्ट टर्म के कोर्स शुरू करने की योजना है। इससे लोगों को भाषाओं का ज्ञान होगा तो वहीं दूसरी ओर इन विभागों में दाखिले कम होने का संकट भी दूर होगा।

बायोकेमिस्ट्री में शहर से बाहर भी इंटर्नशिप कर सकेंगे छात्र

लखनऊ। लविवि के बायोकेमिस्ट्री विभाग में एमएससी पाठ्यक्रम में अंतिम सेमेस्टर की इंटर्नशिप अब विद्यार्थी अन्य शहरों में जाकर भी कर सकेंगे। विभाग ने 10 वर्षीय विजन प्लान के तहत यह बदलाव करने का फैसला किया है। विभाग ने पाठ्यक्रम में इंडस्ट्री के हिसाब से बदलाव करने की योजना तैयार की है जिससे विद्यार्थियों को रोजगार मिलने में आसानी हो। इसका ब्योरा विभाग की ओर से डीन एकेडमिक्स को भी भेजा गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

82 रनों का लक्ष्य हासिल कर लविवि बना विजेता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चल रहे रोमांचक मैच के छठे दिन तीन तीन मैच हुए। पहले मैच में शिया पीजी कॉलेज को केकेसी ने 84 रन से हराया। दूसरा मैच में लखनऊ विवि की टीम लखनऊ इलेवन और जुरिस लॉ कॉलेज की टीम के बीच हुआ जिसमें से लखनऊ इलेवन की टीम ने 169 रन बनाए। जुरिस लॉ कॉलेज की टीम 79 पर ही ऑल आउट हो गई।

तीसरा मैच बीबीडी की टीम उत्तर के पुत्तर व लखनऊ विवि की टीम फैट्रिग्डर्स के बीच हुआ जिसमें से उत्तर के पुत्र ने 81 रन का टारगेट लखनऊ विवि की टीम को दिया जिसमें से लविवि की टीम ने 82 रन का टारगेट पूरा कर विजय हासिल की। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : एमए समाजकार्य के छूटे परीक्षार्थियों की परीक्षा आठ को

लखनऊ। लविवि व सभी सहयुक्त महाविद्यालयों के छूटे परीक्षार्थियों की एमए समाजकार्य विषय के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा आठ अप्रैल को होगी। 14 मार्च को आयोजित इस इंटर डिपार्टमेंटल परीक्षा के दिन यूजीसी नेट की परीक्षा पड़ गई थी। इस वजह से कई छात्रों की परीक्षा छूट गई थी। ऐसे परीक्षार्थियों को दोबारा मौका देते हुए लविवि ने बुधवार को पत्र जारी करते हुए परीक्षा देने के लिए एक और मौका दिया है। यह परीक्षा शनिवार को सुबह नौ बजे से 12 बजे तक विवि परिसर में होगी। इंटर डिपार्टमेंटल परीक्षा में फिजिकोलॉजी, पॉलिटिकल साइंस, फिलॉसफी और सोशियोलॉजी विषय शामिल हैं। (संवाद)

लविवि में हंगामे के मामले में सात छात्रों को नोटिस

लखनऊ। लविवि में छात्रसंघ बहाली की मांग को लेकर सोमवार को हुए हंगामे के बाद प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने विवि के सात छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने सभी छात्रों को तीन दिन में कुलानुशासक कार्यालय में लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा है। ऐसा न किए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है। लविवि में सोमवार को छात्रसंघ बहाली मोर्चा के बैनर तले विभिन्न छात्र संगठनों ने विवि के छात्रसंघ भवन पर हवन-पूजन करने की कोशिश की थी। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने विवि में चल रही परीक्षाओं और धारा 144 का हवाला देते हुए उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था। हवन सामग्री भी जल्द कर ली गई थी। इससे नाराज छात्रों ने विवि में कई घंटे हंगामा किया था। पुलिस बल की मौजूदगी में प्रॉक्टोरियल बोर्ड से झड़प भी हुई थी। इसके बाद कुलानुशासक कार्यालय ने छात्रों के इस कृत्य को अनुशासनहीनता मानते हुए नोटिस जारी किया है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने सभी छात्रों को अपना पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया है।

> **शैक्षणिक वातावरण में डाली बाधा**
> विवि में परीक्षाओं के दौरान बिना अनुमति छात्रों को और से कार्यक्रम करने की कोशिश की गई। इससे शैक्षणिक वातावरण में बाधा उत्पन्न हुई। इसलिए इन छात्रों को नोटिस जारी किया गया है। – **राकेश द्विवेदी,** चीफ प्रॉक्टर लविवि

लविवि : छूटे विद्यार्थियों की परीक्षा आठ को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमए समाज कार्य तीसरे सेमेस्टर के उन छात्र-छात्राओं को राहत दी है, जो 14 मार्च को यूजीसी नेट देने की वजह से साइकोलाजी, पालिटिकल साइंस, फिलासफी और सोशियोलाजी इंटर डिपोर्टमेंटल की परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे। अब उनकी परीक्षा आठ अप्रैल को सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय के पुराने परिसर को ही केंद्र बनाया गया है। बुधवार को परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने नोटिफिकेशन जारी कर महाविद्यालयों को भी सूचना भेज दी है। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: अमेरिकी छात्रों के लिए समर प्रोग्राम, डिप्लोमा कोर्स

एनईपी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों के लिए पर्शियन और उर्दू में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम और डिप्लोमा कोर्स शुरू किया है। इस आठ हफ्ते के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम को एलयू के फारसी और उर्दू विभाग ने अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली व लखनऊ की मदद से तैयार किया है।

वहीं डिप्लोमा कोर्स को एनईपी-2020 के तहत तैयार किया गया है। अधिष्ठाता अकादमिक व छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अमेरिकन इंस्टीट्यूट में नामांकित छात्र ही एलयू के पर्सियन और उर्दू विभाग में

> हम वैज्ञानिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक ज्ञान और परंपरा को विश्व में फैलाने के लिए कटिबद्ध हैं। प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू

भाषा, संस्कृति और संचार में 6 सप्ताह का प्रशिक्षण ले सकेंगे। यह मई माह में शुरू होने की उम्मीद है। प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि यह इन विभागों द्वारा पेश किया जाने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। जो हमारी वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

धरने के कारण सात छात्रों को कारण बताओ नोटिस

लखनऊ। एलयू में सोमवार को छात्र बहाली के लिए धरनारत सात छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि परीक्षा के दौरान बिना अनुमति छात्रसंघ बहाली के लिए धरना-प्रदर्शन से परीक्षा की सुचिता व कानून व्यवस्था प्रभावित हुई और धारा-144 का उल्लंघन हुआ। सात छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

प्रदर्शन करने वाले छात्रों को नोटिस

यूनिवर्सिटी बोली, कानून व्यवस्था का हुआ उल्लंघन

LUCKNOW (5 April): एलयू में छात्र संघ चुनाव बहाली को लेकर विरोध प्रदर्शन करने वाले सात छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है. इनमें बीए तृतीय वर्ष के छात्र विध्यवासिनी शुक्ला, विधि प्रथम सेमेस्टर के आर्यन मिश्रा, बीए तृतीय वर्ष के छात्र सिद्धार्थ मिश्रा, बीकाम प्रथम सेमेस्टर के आयुष कुमार सिंह, बीए तृतीय सेमेस्टर के शैलेंद्र यादव, बीए प्रथम वर्ष के प्रसन्न शुक्ला और बीएससी तृतीय वर्ष पांचवें सेमेस्टर के छात्र प्रिंस कुमार का नाम शामिल है. चीफ प्राक्टर प्रोफेसर राकेश द्विवेदी की ओर से जारी की गई नोटिस में कहा गया है कि इन छात्रों के धरना प्रदर्शन से विश्वविद्यालय की परीक्षा की सुचिता एवं कानून व्यवस्था प्रभावित हुई. साथ ही धारा 144 का उल्लंघन भी हुआ. अनुशासनहीनता की वजह से सात छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है. तीन कार्य दिवस में उपस्थित होकर नोटिस का जवाब देना है.

JAGRAN CITY PAGE III

बाध्यता खत्म, कहीं भी लघु शोध के लिए जा सकेंगे लवि के छात्र

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बायो केमिस्ट्री विभाग ने एमएससी चौथे सेमेस्टर में डिजरटेशन (लघु शोध प्रबंध) की व्यवस्था में बदलाव कर दिया है। अब एमएससी बायो केमिस्ट्री और बायो टेक्नोलाजी चौथे सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं तीन महीने तक देश के किसी भी उच्चतम श्रेणी के शोध संस्थानों में डिजरटेशन के लिए जा सकेंगे। इसके लिए पांच महीने पहले विभाग में आवेदन करना होगा। यह सुविधा सत्र 2023-24 से मिलेगी। बायो केमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि एमएससी चौथे सेमेस्टर में डिजरटेशन में जो थ्योरी के जो पेपर थे, उन्हें प्रथम, द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर में शामिल कर दिया गया है।

नवीनतम विधाओं से पढ़ाएंगे शिक्षक : बायो केमिस्ट्री विभाग के शिक्षक नए सत्र से छात्र-छात्राओं को चाक के साथ-साथ मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, लैपटाप सहित सभी नवीनतम विधाओं से पढ़ाएंगे। विभागाध्यक्ष प्रो सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि जल्द ही लैपटाप व अन्य उपकरण खरीदने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पूर्व छात्रों से लेंगे आइडिया : बायो केमिस्ट्री विभाग उच्च पदों पर बैठे पूर्व छात्रों से विभाग को आगे बढ़ाने का आइडिया लेगा। बायो केमिस्ट्री व बायो टेक्नोलाजी कोर्स को इंडस्ट्री से जोड़ते हुए रिवाइज्ड किया जाएगा। एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा व केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के साथ शोध आदि के लिए एमओयू भी किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी कर सकेंगे फारसी व उर्दू में पढ़ाई

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र-छात्राएं ग्रीष्मकालीन प्रोग्राम के तहत फारसी और उर्दू में पढ़ाई कर सकेंगे। डीन एकेडमिक्स प्रो पूनम टंडन ने बताया कि अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली के माध्यम से विदेशी छात्र-छात्राएं यहां आकर फारसी व उर्दू की पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए आठ सप्ताह के ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम को अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली और लखनऊ विश्वविद्यालय के फारसी एवं उर्दू विभाग ने डिजाइन किया है। अमेरिकन इंस्टीट्यूट में नामांकित छात्र-छात्राएं फारसी और उर्दू विभागों के संकायों के साथ भाषा, संस्कृति और संचार में आठ सप्ताह का प्रशिक्षण लेंगे। मई में यह प्रशिक्षण शुरू होगा। इसके लिए इंस्टीट्यूट के साथ एमओयू भी किया जाएगा। ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में प्रति विदेशी छात्र की फीस पांच हजार रुपये होगी।

नए सत्र से डिप्लोमा में प्रवेश : विदेशी छात्र-छात्राओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए फारसी और उर्दू में डिप्लोमा कोर्स भी तैयार किया गया है। डिप्लोमा कोर्स की फीस प्रति विदेशी छात्र 7500 रुपये होगी।

i-NEXT PAGE 3

कर सकेंगे फारसी व उर्दू विषय में पढ़ाई

लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र-छात्राएं ग्रीष्मकालीन प्रोग्राम के तहत फारसी और उर्दू विषय में पढ़ाई कर सकेंगे. इसके लिए विश्वविद्यालय ने आठ सप्ताह के कोर्स के साथ-साथ एक डिप्लोमा कोर्स भी डिजाइन किया है. साथ ही कोर्स की फीस भी तय कर दी गई है. डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली के माध्यम से विदेशी छात्र-छात्राएं यहां आकर फारसी व उर्दू की पढ़ाई कर सकेंगे. इसके लिए आठ सप्ताह के ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम को अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली और लखनऊ विश्वविद्यालय के फारसी एवं उर्दू विभाग ने डिजाइन किया है.

कहीं भी लघु शोध के लिए जा सकेंगे छात्र

लखनऊ विश्वविद्यालय के बायो केमिस्ट्री विभाग ने एमएससी चौथे सेमेस्टर में डिजरटेशन (लघु शोध प्रबंध) की व्यवस्था में बदलाव कर दिया है. अब एमएससी बायो केमिस्ट्री और बायो टेक्नोलाजी चौथे सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं तीन महीने तक देश के किसी भी उच्चतम श्रेणी के शोध संस्थानों में डिजरटेशन के लिए जा सकेंगे. इसके लिए छात्र-छात्रा को पांच महीने पहले विभाग में आवेदन करना होगा. यह सुविधा सत्र 2023-24 से मिलेगी. बायो केमिस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि एमएससी चौथे सेमेस्टर में डिजरटेशन में जो थ्योरी के जो पेपर थे, उन्हें प्रथम, द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर में शामिल कर दिया गया है. बायो केमिस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि एमएससी चौथे सेमेस्टर में डिजरटेशन में जो थ्योरी के जो पेपर थे, उन्हें प्रथम, द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर में शामिल कर दिया गया है।

PIONEER PAGE 3

फारसी और उर्दू विभाग ने अमेरिकी छात्रों के लिए तैयार किया डिप्लोमा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों के लिए फारसी और उर्दू में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है। आठ सप्ताह के ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम को अमेरिकी संस्थान नई दिल्ली और लखनऊ द्वारा समर्थित अमेरिकी छात्रों के लिए फारसी विभाग और उर्दू विभाग द्वारा डिजाइन किया गया है।

विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम एनईपी 2020 की भावना के अनुरूप तैयार किया गया है और विशिष्ट व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए भाषा शिक्षा के दायरे को व्यापक और व्यापक बनाता है। ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम विदेशी विद्वानों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए मॉड्यूल को पेशकश करेगा। अमेरिकन इंस्टीट्यूट में नामांकित छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय के परिसर में पर्सिन और उर्दू विभागों के संकायों के साथ भाषा, संस्कृति और संचार में 6 सप्ताह का प्रशिक्षण लेंगे। यह मई 2023 में शुरू होने की उम्मीद है।

यह उक्त विभागों द्वारा पेश किया जाने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है और हमारी वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि हम कुछ अन्य एड ऑन पाठ्यक्रम विकसित कर रहे हैं। जिसमें विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम। विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन का कहना है कि विदेशी छात्रों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक हम वैज्ञानिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक ज्ञान और परंपरा को विश्व में फैलाने के लिए कटिबद्ध हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

उर्दू – फारसी में बढ़ी अमेरिकी छात्रों की रुचि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि

- **लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुरू किया फारसी और उर्दू में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम**

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि)के फारसी और उर्दू डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अमेरिकी छात्रों की दिलचस्पी बढ़ी है। हाल ही में लखनऊ विश्वविद्यालय ने फारसी और उर्दू में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम तहत डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत की है।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट में पंजीकृत छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय के परिसर में पर्सिन और उर्दू विभागों के संकायों के साथ भाषा, संस्कृति और संचार में छह सप्ताह का प्रशिक्षण लेंगे। यह मई 2023 में शुरू होने की उम्मीद है। यह उक्त विभागों द्वारा पेश किया जाने वाला अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन का कहना है कि विदेशी छात्रों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है।

> हम वैज्ञानिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक ज्ञान और परंपरा को विश्व में फैलाने के लिए कटिबद्ध हैं। भाषा और संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा पर विभिन्न लघु कार्यक्रमों पर अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के द्वारा अन्वेषण प्राप्त होने शुरू हो गए हैं।
> – प्रो. आलोक कुमार राय कुलपति, लविवि

स्नातक व परास्नातक की परीक्षाएं जारी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक व परास्नातक में 95 छात्र व छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी, जबकि बुधवार को दो पालियों में 23142 छात्र व छात्राओं ने परीक्षा दी है। जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम के तहत परीक्षाएं संपन्न कराई जा रही हैं।

एमए समाज कार्य की इंटर डिपार्टमेंटल परीक्षा 8 को

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में में एमए समाज कार्य तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों की इंटर डिपार्टमेंटल परीक्षाएं 8 को आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि 14 मार्च को यूजीसी नेट की परीक्षा होने के कारण एमए समाज कार्य तृतीय सेमेस्टर के कुछ छात्र इंटर डिपार्टमेंटल मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र और समाजशास्त्र की परीक्षा नहीं दे सके थे। ऐसे छात्रों के लिए 8 को पहली पाली में परीक्षा आयोजित की जा रही है।

TOI PAGE 2

LU 'Gravitas' for mgmt students on April 12-13

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's business administration department will host its annual fest, 'Gravitas 2.0' on April 12-13. The fest is open for participation by all management students of the state.

The students will participate in a variety of events that will help them develop their leadership skills, teamwork, and creativity.

"From quizzes, case studies to discussions, debates and cultural events, Gravitas 2.0 has it all. And the best part is students get to compete with some of the brightest minds in the state. The festival will also include game and food stations, making it a complete experience," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said that Gravitas 2.0 isn't just a competition but also about learning and growing.

Students will have the opportunity to interact with industry experts, entrepreneurs, and business leaders who will share their insights and experiences.

They will also get to learn about the newest management trends and how to apply them in real-world circumstances, he added.

To register as a participant, one can register at http://surl.li/frmkh.